अध्याय 9
प्रश्न- उत्तर

व्यापारी, राजा और तीर्थयात्री (NCERT)

आओ याद करें

www.evidyarthi.in

प्रश्न 1. निम्नलिखित के उपयुक्त जोड़े बनाओ

दक्षिणापथ के स्वामी	बुद्धचरित
मुवेन्दार	महायान बौद्ध धर्म
अश्वघोष	सातवाहन शासक
बोधिसत्त्व	चीनी यात्री
श्वैन त्सांग	चोल, चेर, पांड्य

www.evidyarthi.in

प्रश्न 2. राजा सिल्क रूट पर अपना नियंत्रण क्यों कायम करना चाहते थे?

उत्तर : शासक कर के लाभ के लिए रेशम मार्ग पर नियंत्रण करना चाहते थे, क्योंकि इस रास्ते पर यात्रा कर रहे, व्यापारियों से उन्हें कर, शुल्क तथा तोहफों के माध्यम से लाभ मिलता था।

www.evidyarthi.in

प्रश्न 3. व्यापार तथा व्यापारिक रास्तों के बारे में जानने के लिए इतिहासकार किन-किन साक्ष्यों का उपयोग करते हैं?

उत्तर : इतिहासकार, व्यापार तथा व्यापारिक रास्तों के बारे में जानने के लिए बर्तनों का उपयोग करते हैं, ऐसा अनुमान लगाया जाता है कि जहाँ ये बर्तन बनते थे, वहाँ से व्यापारी अलग-अलग जगहों पर ले गए होंगे।

www.evidyarthi.in

प्रश्न 4. भक्ति की प्रमुख विशेषताएँ क्या थीं?

उत्तर : भक्ति की मुख्य विशेषताएँ हैं|
1.किसी देवी या देवता के प्रति श्रद्धा को ही भक्ति कहा जाता है। भक्ति का पथ सबके लिए खुला था, चाहे वह धनी हो या गरीब, ऊँची जाति का हो या नीची जाति का, स्त्री हो या पुरुष।

www.evidyarthi.in

2. भक्ति मार्ग अपनाने वाले लोग आडंबर के साथ पूजा-पाठ करने के बजाए ईश्वर के प्रति लगन और व्यक्तिगत पूजा पर जोर देते थे।

3. भक्ति परंपरा ने चित्रकला, शिल्पकला और स्थापत्य कला के माध्यम से अभिव्यक्ति की प्रेरणा दी है।

www.evidyarthi.in

प्रश्न 5. चीनी तीर्थयात्री भारत क्यों आए? कारण बताओ।

उत्तर : चीनी बौद्ध तीर्थयात्री फा-शिएन, इत्सिग और श्वैन त्सांग भारत की यात्रा पर आए थे। वे सब बुद्ध के जीवन से जुड़ी जगहों और प्रसिद्ध मठों को देखने के लिए आए थे इसलिए वे सबसे पहले बुद्ध के जीवन से जुड़ी जगहों से परिचित हुए।

www.evidyarthi.in

वे प्रसिद्ध मठों को देखने गए। उन्होंने किताबों और बुद्ध की मूर्तियों को इकट्ठा किया। श्वैन त्सांग तथा अन्य तीर्थयात्रियों ने उस समय के सबसे प्रसिद्ध बौद्ध विद्या केंद्र नालंदा (बिहार) में अध्ययन किया। यह उस समय का प्रसिद्ध बौद्ध मठ था।

www.evidyarthi.in

प्रश्न 6. साधारण लोगों का भक्ति के प्रति आकर्षित होने का कौन-सा कारण होता है?

उत्तर : साधारण लोग भक्ति मार्ग या परंपरा की ओर इसलिए आकर्षित हुए, क्योंकि हमारी वैदिक परंपरा बहुत कठोर थी, इसमें जाति व वर्गों को ध्यान में रखा जाता था।

www.evidyarthi.in

यह कुछ लोगों को ही पूजा करने की अनुमति नहीं देता था। वे मंदिर में भी प्रवेश नहीं कर सकते थे, लेकिन भक्ति का पथ सबके लिए खुला था, चाहे वह धनी हो या गरीब, ऊँची जाति का हो या नीची जाति का, स्त्री हो या पुरुष।